ओ३म्

भव्य वार्षिकोत्सव

आर्यसमाज के 150 स्वर्णिम वर्षों की स्मृति में समर्पित

आर्यसमाज, आर्ष गुरुकुल एवं वानप्रस्थाश्रम नोएडा

10, 11, 12, 13, व 14 दिसम्बर दिन-बुधवार, गुरुवार, शुक्रवार, शनिवार, रविवार दिसम्बर 2025

स्थान-बी-69, सैक्टर-33, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर (उ.प्र.)

आर्य समाज के उत्कृष्ट कार्य

- आर्यसमाज की स्थापना सन् 1875 चैत्र शुक्ल प्रतिपदा, काकडवाडी, मुम्बई।
- आर्यसमाज द्वारा वेदों का उद्धार-वेद अपौरूषेय तथा ईश्वर की वाणी है।
- स्त्री एवं दलितों को वेद पढने का अधिकार। समान शिक्षा की योजना।
- गुरुकुलों की स्थापना।
- अनाथालयों का संचालन।
- स्वराज्य की प्रथम उद्घोषणा।
- स्व-भाषा, स्व-संस्कृति, स्व-धर्म के सम्मान की प्रेरणा।
- सशस्त्र क्रांति का जनक आर्यसमाज।
- लंदन में इंडिया हाउस की स्थापना ऋषि शिष्य श्याम जी कृष्ण वर्मा द्वारा।
- हैदराबाद आंदोलन के माध्यम से राष्ट्रवादी विचारधारा का प्रबल समर्थन। क्वेटा, उत्तरकाशी, नेपाल, किल्लारी, लातूर आदि में भूकम्प आपदा के समय पीड़ितों की सहायता।
- बाल विवाह एवं सती प्रथा का विरोध।

- ईश्वर के वैदिक स्वरूप का निर्धारण, ईश्वर निराकार तथा सच्चिदानन्द है।
- वैदिक धर्म की स्थापना, पक्षपात रहित आचरण, सद्गुणों का धारण करना ही धर्म है।
- सामाजिक कुरीतियों, दूषित परम्पराओं, अंधविश्वासों तथा धार्मिक पाखण्डों का प्रबल विरोध।
- जातिवाद, छुआछूत, ऊंचनीच के भेद को समाप्त कर सामाजिक सौहार्द को बढ़ाया।
- संस्कृत भाषा को गौरव प्रदान किया तथा हिंदी भाषा को आर्यभाषा का नाम देते हुये राष्ट्रभाषा बनाने में सहयोग।
- विधवा विवाह का प्रबल समर्थन।
- तार्किक ढंग से सभी मत-मतांतरों का खण्डन ।
- सबको यज्ञोपवीत पहनने तथा यज्ञ करने का अधिकार दिलाया।
- 16 संस्कारों की परम्परा को समृद्ध किया।
- ईसाईयों, मुसलमानों द्वारा किये जा रहे धर्मांतरण को रोका।
- धर्मांतरित लोगों की घर वापसी कराई।
- गो-सेवा, गौशाला आदि की स्थापना

सप्रेम भेंट श्री .....

सप्रेम भेंट

आर्यसमाज, आर्षगुरुकुल एवं वानप्रस्थाश्रम के पदाधिकारियों, आचार्यों, सदस्यों एवं ब्रह्मचारियों की ओर से हार्दिक शुभकामनाओं सहित